

VRS के बाद सियासी मैदान में पूर्व IAS दिव्या मित्तल, यूपी की राजनीति में हलचल तेज

राजा भैया के साथ तस्वीर से अटकलें तेज, वह किसी भी भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस में नहीं जाएगी, बल्कि जनता के साथ मिलकर एक नया स्वतंत्र राजनीतिक मंच बनाएंगी

नई दृष्टिबिंदु / तखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगमियां तेज हो गई हैं। इसी बीच प्रशासनिक सेवा से VRS लेकर राजनीति में आने का ऐलान करने वाली पूर्व IAS दिव्या मित्तल को खूब चर्चा हो रही है। 113 साल की सेवा के बाद राजनीति में उनकी दस्तक ने प्रदेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

30 अगस्त को दिया था इसीफा

2013 बैच की IAS अधिकारी दिव्या मित्तल ने 30 अगस्त 2026 को पद से इस्तीफा दिया था, जिसे 15 सितंबर को शासन ने मंजूर कर लिया। वह मिर्जापुर, देवरिया और संत कबीर नगर में डीएम रह चुकी हैं। मिर्जापुर में दूर-दराज के गांवों में पाइप से पानी पहुंचाने के काम के लिए उन्हें काफी सराहना मिली थी। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बंगलुरु से पढ़ी दिव्या मित्तल IAS बनने से पहले लंदन में ज्यूपी मॉर्निंग में नौकरी भी कर चुकी हैं।

29 सितंबर को 9 मिनट के वीडियो संदेश में उन्होंने राजनीति में आने का औपचारिक ऐलान किया। उन्होंने साफ



कहा कि यूपी उनकी कर्मभूमि है और वह किसी भी भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस में नहीं जाएंगी, बल्कि जनता के साथ मिलकर एक नया स्वतंत्र राजनीतिक मंच बनाएंगी।

नहीं जाएंगी, बल्कि जनता के साथ मिलकर एक नया स्वतंत्र राजनीतिक मंच बनाएंगी। खुद को 'जनता की आवाज' बताते हुए उन्होंने अग्रेजी सड़कों, पेपर लोक और लटक प्रोजेक्ट्स पर हिसाब मांगने की बात कही।

ओपी राजभर और अनिल राजभर की प्रतिक्रिया

दिव्या मित्तल के ऐलान पर योगी सरकार में मंत्री और युवासभा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने तंज कसा है। उन्होंने कहा - "IAS बनना आसान है, लेकिन MLA बनना और चुनाव जीतना बेहद

मुश्किल है। उनके पास बहुत पैसा होगा इसलिए राजनीति में किस्मत आजमा रही हैं।" वहीं यूपी सरकार में मंत्री अनिल राजभर ने भी कहा कि राजनीति में आने पर स्थिति का अंदाजा खुद ही जाएगा।

राजा भैया के साथ तस्वीर से सियासी अटकलें

इसी बीच जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रदेश प्रधान महासचिव डॉ. बृजेश सिंह राजभर ने सोशल मीडिया पर दिव्या मित्तल की कुछ विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के साथ तस्वीर साझा की है। तस्वीर सामने आने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या दिव्या मित्तल जनसत्ता दल के साथ कोई नया समीकरण बनाएंगी? हालांकि दिव्या मित्तल ने पहले ही स्पष्ट किया है कि वह फिलहाल किसी दल के साथ नहीं जाएंगी।

जनसत्ता दल के नेता ने उनके राजनीति में स्वागत करते हुए इसे अच्छी पहल बताया है। सियासी गतिधारा में चर्चा है कि वह मिर्जापुर या देवरिया से चुनाव ताल ठोक सकती हैं।

फिलहाल उन्होंने जनता से सीधे जुड़ने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9198956957 जारी किया है और लोगों से जुड़ने की अपील की है।

सूरजपुर मां-बेटी हत्याकांड हेड कॉन्स्टेबल के परिवार की हत्या में 4 आरोपी दोषी करार

8 अक्टूबर को होगा सजा पर फैसला



नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

जिले को शकशोर देने वाले हेड कॉन्स्टेबल के परिवार की हत्या के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मुख्य आरोपी को दोषी करार दिया है। सजा की मात्रा पर फैसला 8 अक्टूबर को सुनाया जाएगा।

यह मामला उस सनसनखेज वादतमा से जुड़ा है, जिसमें एक हेड कॉन्स्टेबल के परिवार को निहाना बनाया गया था। आरोपियों ने हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और उनकी 11 साल की मासूम बेटी की बेरहमी से हत्या कर शव को काटकर फेंक दिया था। इस घटना ने पूरे प्रदेश को हिला दिया था।

छतीसगढ़ में मानसून अब विदाई की राह पर

रायपुर / सिखर माह बीतने के बाद प्रदेश में मानसून की राह पर है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले 2-3 दिनों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में मानसून की विदाई के लिए अंशुल परिस्थितियां हो सकती हैं। पूरे प्रदेश में बुधवार को मौसम साफ रहा। राजधानी पर 34 डिग्री सेल्सियस के साहज प्रदीप का सबसे गर्म स्थान रहा। पड़ोस में न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री तक कमि गया। यानी प्रदीप में दिन गर्म और रात अपेक्षाकृत ठंडी होने लगी है। रायपुर में बुधवार को पारा करीबन 34 डिग्री से, के पास रहा। जहां भी अब बारिश के श्रोक बढ़ने के संकेत हैं। एक अक्टूबर को आसमान मुखात : साफ है।

कलेक्टर संतप्त देवी जांगड़े ने लिया देहदान का संकल्प

कहा - मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा करना चाहती हूं

नई दृष्टिबिंदु / मनेंद्रगढ़-विपरी-भरमुपुर

एमसीबी जिले की कलेक्टर यूपी संस्थान देवी जांगड़े ने मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा की मंशा के साथ देहदान का ऐलान कर अनुकरणीय मिलात पेश की है। उन्होंने विपरी में पोड़ी स्थित मंगल भवन में आयोजित दो दिवसीय वृद्ध मेला हलच में इस संकल्प को औपचारिकताएं पूरी की हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेते पहुंची कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की टीम की मौजूदगी में देहदान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भरकर अपना संकल्प दर्ज करवाया।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल स्वयं तक सीमित नहीं है। मृत्यु के बाद यदि शरीर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के अध्ययन और शोध में उपयोगी हो सके और इससे बेहतर चिकित्सा व्यवस्था तैयार करने में मदद मिले, तो यह मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि समाज में देहदान को लेकर

कई प्रतियोगिताओं और संकोचों हैं, जिन्हें जागरूकता से दूर किया जा सकता है।

कलेक्टर की इस पहल की चिकित्सकी, स्वास्थ्य कर्मियों, जमप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने सराहना की। लोगों ने कहा कि जिले की प्रशासनिक प्रगति द्वारा खुद आगे आकर देहदान का संकल्प लेना ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में व्याप्त प्रतियोगिता को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगा।

कलेक्टर ने जिले के नागरिकों, युवाओं और सामाजिक समुदायों से अंगदान और देहदान के महत्व को समझाने और इसकी सही जानकारी समाज तक पहुंचाने की अपील की।

अखिलेश यादव का बड़ा दांव! रिलायंस के धनराज नाथवानी को राज्यसभा टिकट

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव से पहले सियासी भूचाल

आलोक तिवारी / तखनऊ

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव से पहले सियासी भूचाल आ गया है। समाजवादी पार्टी (SP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक ऐसा दांव चला है, जिसने दिल्ली से लखनऊ तक हलचल तेज कर दी है। पार्टी ने रिलायंस ग्रुप से जुड़े धनराज नाथवानी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। दिल्लीवास यह है कि जिस दिन दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में वृद्ध अक्षय गठबंधन के दिग्गज बैठक कर रहे थे, उसी दिन लखनऊ से अखिलेश ने यह बड़ा ऐलान कर सबको चौंका दिया।

कौन हैं धनराज नाथवानी?

धनराज नाथवानी देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने रिलायंस इंडस्ट्रीज में ग्रुप प्रेसिडेंट हैं। उनके पिता परमल नाथवानी रिलायंस में कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक हैं और खुद बीजेपी के समर्थन से झारखंड से राज्यसभा सांसद रहे हैं। इसके अलावा धनराज नाथवानी गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (GCA) के अध्यक्ष भी हैं। रिलायंस और बीजेपी से करीबी प्रभुत्व वाले परिवार के सदस्य को सपा का टिकट मिलना बेहद चौंका देने वाला माना जा रहा है।

नंबर गेम और फ्रॉंस वोटिंग का गणित

यूपी में राज्यसभा का पूरा चुनाव नंबर गेम पर टिका है।

सपा का गणित: सपा को अपने तीसरे उम्मीदवार को जिताने के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत है। मौजूदा विधायक संख्या और कुछ बागियों को देखते हुए विना फ्रॉंस वोटिंग के तीसरी सीट जीतना आसान नहीं है।

बीजेपी का गणित: एनडीए के पास भी सहयोगियों के बावजूद 8वीं सीट निभालने के लिए वोट कम पड़ रहे हैं।

यही वजह है कि धनराज नाथवानी जैसे उद्योग जगत के प्रभावशाली चेहरे की उतारकट दोनों खेमों के अस्तुंठ विधायकों को साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इस चुनाव में फ्रॉंस वोटिंग के इस खेल में कंट किस करस्ट बैठता है।

चुनाव आयोग का फॉर्म-6 पर यू-टन : विपक्ष का 'इंडिया ब्लॉक' हमलावर, 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

नई दिल्ली। देश की राजनीति में इन दिनों चुनाव आयोग (ECI) के फैसलों, विपक्षी दलों के तीखे तैयारी और केंद्र सरकार के नीतिगत कदमों को लेकर घमासान मचा हुआ है। चुनाव आयोग द्वारा फॉर्म-6 में किए गए बदलावों को वापस लेने के बाद सियासी पारा और चढ़ गया है। जनकारी के अनुसार, इस पूरे घटनाक्रम में मुख्य रूप से तीन बड़ी खबरें वर्तमान के केंद्र में हैं - चुनाव आयोग का यू-टन, विपक्षी गठबंधन (INDIA Bloc) का बड़ा आंदोलन, और केंद्र सरकार के हालिया फैसले।

चुनाव आयोग का फॉर्म-6 पर यू-टन, क्यों मचा था बवाल? चुनाव आयोग ने अपने पोर्टल से फॉर्म-6 (नया वोटर रजिस्ट्रेशन फॉर्म) से जुड़े उस विवादास्पद प्रावधान को हटा दिया है, जिसमें नए मतदाताओं के लिए माता-पिता या दादा-दादी के पस-आईआर (SAR) स्टैम्प का विवरण देना अनिवार्य किया गया था।

क्या यादवियम? इस नियम के तहत नए युवा वोटर्स से उनके पूर्वजों की पुरानी वोटर लिस्ट का ब्योरा मांगा जा रहा था।

भीतरी असहमति: आयोग के भीतर से ही इस पर सवाल उठे थे। चुनाव आयोग ने इसे अंतिमकृत बताया था, जिसके बाद आयोग ने इस कृत्रिम को हटाने के लिए केंद्र सरकार को दबा दिया।

'इंडिया ब्लॉक' का कड़ा रुख: चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा, 6 अक्टूबर को दिल्ली में मार्च।

चुनाव आयोग की कार्यशैली के विरोध में दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'इंडिया गठबंधन' के तत्वाग दिग्गज नेताओं की एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में ममता बनर्जी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, और उमर अब्दुल्ला सहित कई बड़े नेता शामिल हुए।

विपक्ष का एक्शन प्लान: विपक्ष ने गांधी जयंती (2 अक्टूबर) से देशव्यापी आंदोलन का शखाना किया है। 12 से 8 अक्टूबर तक देश के हर जिले में कलेक्ट्रेट कार 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकाला जाएगा। इसके अलावा, 6 अक्टूबर को दिल्ली में विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च करेंगे।

भिलाई की फैक्ट्री से 5 क्विंटल लोहा चोरी, जामुल पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-जामुल

इंडस्ट्रियल एरिया भिलाई स्थित फ्रेंड्स इंजीनियरिंग फैक्ट्री से मशीनरी लोहा चोरी करने वाले 2 आरोपियों को थाना जामुल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 5 क्विंटल लोहा का सामान कीमत 30,000 रुपये बरामद किया गया है।

प्राची रतन दास गुप्ता, निवासी हावरासिंग बोर्ड भिलाई में थाना जामुल में पोस्ट दर्ज कराई थी कि 10 सितंबर को रात फैक्ट्री से मशीनरी सामान, नट-बोल्ट, ड्राइ होल्डर, लोहे की

नंदिनी नगर में मांजा बिक्री की तैयारी कर रही महिला गिरफ्तार, 1.365 किलो गांजा जब्त

दुर्गा, नाना नंदिनी नगर पुलिस ने अंधेरा रूप से गांजा बिक्री की तैयारी कर रही महिला को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर अहिंवारा-बेरा कुमारी बाईबास रोड के किनारे कारवाई करते हुए पुलिस ने 1.365 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 68,600 रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी महिला लक्ष्मी बाई सोनी (50 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 01, अहिंवारा, बाईबास किनारे शाह की तलाश कर रही थी। तलाशी में गांजा मिलने पर उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 334/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और 30 सितंबर को न्यायिक रिमांड पर महिला के डेट्रीय जेल भेजा गया। दुर्गा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अंधेरा नशे, जुआ-सट्टा की सूचना सफा नजदीकी थाने या हेलपाइन 1933 पर दें।

भोपाल में रिटायर्ड आईएसएस राकेश अग्रवाल की हत्या, 2 दिन पहले रखा नौकर फरार

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार सुबह सनसनखेज वादतमा सामने आई है। रिटायर्ड IAS अधिकारी राकेश अग्रवाल (70 वर्ष) अपने आवास पर संधिच अवस्था में मृत मिले। पुलिस को 2 दिन पहले रखे गए नौकर पर हत्या का शक है, जो वास्तव के बाद से फरार है। यह घटना रातीवड थाना क्षेत्र के सूरजनगर स्थित उनके घर में घटी। रिटायर्ड अधिकारी के गले पर घात के निशान मिले हैं।

पंजाब की एजेंसी से रखा या नौकर: जनकारी के अनुसार, राकेश अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ सूरजनगर में रहते थे। उन्होंने 28 सितंबर को पंजाब की एक एजेंसी के जरिए हरण कुमार नाम के व्यक्ति को केयरटकर के रूप में रखा था। घटना के बाद से नौकर के साथ उसका सामान भी घर से गायब

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

आपके विश्वास और थार से नई उड़ान...

हमारे साथ आप सभी को

YouTube

नई दृष्टिबिंदु News

6K+ SUBSCRIBERS

7M+ VIEWS

आपके विश्वास की ताकत

Instagram

nai drishibindu

10K+ FOLLOWERS

10K+ VIEWS

आपका साथ, हमारी पहचान

आपका साथ और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी भुंजी है। लोग हमारा कंटेंट देख रहे हैं, अब आपसे एक निवेदन है -

SUBSCRIBE / FOLLOW

हम देखें, सराई और नज़र करें!

आपका एक SUBSCRIBE / FOLLOW हमारा निवास बनाता है और हमें बता है और बेहतर करने की ताकत!

निवास करें!

छत्तीसगढ़ की आवाज

रतन | जिला | समाज | प्रशासन

हमारा मकसद सिर्फ खबर नहीं, बदलाव लाना है। जुड़े रहिए... नई दृष्टि बिंदु News के साथ

त्रैमासिक प्रिवेंटिव विजिलेंस कैम्पेन के तहत बीएसपी में वेंडर मीट 2026 का हुआ आयोजन



नई दृष्टिविंदु / मिलाई

त्रैमासिक प्रिवेंटिव विजिलेंस कैम्पेन 2026 के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के मटेरियल्स मैनेजमेंट विभाग द्वारा 29 सितंबर को भिलाई निवास में वेंडर मीट 2026 का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा पर केंद्रित कार्यक्रम का उद्देश्य वेंडर्स के साथ संवाद से पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक सामग्री प्रबंधन अंजय कुमार चक्रवर्ती सहित कार्यकारी कार्यपालक निदेशक परियोजनाएं मानस कुमार गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक विजिलेंस एवं एसीवीओ सुनील सिंघल, मुख्य महाप्रबंधक सामग्री प्रबंधन के.सी. मिश्रा, अयान कुमार मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक वित्त एवं लेखा आर.के. भट्टाचार्य, जेप प्रतिनिधि सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मीट में लगभग 60 वेंडर फर्मों सहित कुल 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। महाप्रबंधक वेंडर डेवलपमेंट सेल एस.एम. शाहिद अहमद ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि अंजय कुमार चक्रवर्ती ने व्यावसायिक गतिविधियों में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर



जोर देते हुए वेंडर्स के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने की बात कही। मुख्य महाप्रबंधक विजिलेंस सुनील सिंघल ने प्रश्नोत्तर के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात कहते हुए सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। विजिलेंस विभाग ने निवारक संरकता और एंटी-ग्राइबी मैनेजमेंट सिस्टम पर प्रस्तुति दी। प्रोजेक्ट्स

विभाग ने बीएसपी की 1.05 करोड़ टन क्षमता विस्तार योजना और व्यावसायिक अवसरों की जानकारी दी। जेप प्रतिनिधि राकेश तिवारी ने ई-टेंडर प्रक्रिया और पारदर्शिता पर प्रकाश डाला। अंत में वेंडर संवाद सत्र औपन हाउस में वेंडर्स ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे।

खास खबर

ओर हैडलिंग प्लांट के कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से किया गया सम्मानित

नई दृष्टिविंदु / मिलाई



भिलाई इस्पात संयंत्र के ओर हैडलिंग प्लांट में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक लक्ष्यों की प्रति और सुरक्षा मानकों के अनुरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (ओर हैडलिंग प्लांट) आर.बी. महारवार ने की। समारोह में ऑपरेशन अनुभाग से इंजीनियरिंग एसोसिएट जेके ब्रामहे तथा मैकेनिकल अनुभाग से जुनियर इंजीनियर एसोसिएट अंजय सोरेन, इंजीनियरिंग एसोसिएट दुर्गाश कुमार गोंड और जुनियर इंजीनियर एसोसिएट नवीन को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक आर.मंडल, महाप्रबंधक अजित कुंजूर व मनीष सिंग और उप महाप्रबंधक शशी जैन ने विजेताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक गिरिश महाशिया ने किया।

आन्या 3.0 की सीख कार्यस्थल तक पहुंचाने JLN अस्पताल में माइक्रो लर्निंग सत्र आयोजित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (JLNHR&C) में आन्या 3.0 महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रम के समापन के बाद प्रथम माइक्रो लर्निंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार मुख्य अतिथि और महाप्रबंधक प्रमोद (MHR-L&D) संजीव श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सेल के प्रमुख कार्यक्रम आन्या का उद्देश्य महिला अधिकारियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा देना है। इसी कड़ी में आयोजित इस सत्र के माध्यम से नेतृत्व की सीख को मरीजों की देखभाल से जोड़ने का प्रयास किया गया। सत्र की संकल्पना एवं संचालन आन्या 3.0 की मुख्य सलाहकार और शिष्ट रोग एवं पर्यावरण विभाग की मुख्य सलाहकार डॉ. माला चौधरी ने किया।

इस अवसर पर संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सीख व्यापक स्तर तक पहुंचती है और संगठनात्मक उत्कृष्टता के साथ मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिलती है। 'मानव दुर्घटना के लिए नई प्रतिभागियों को सशक्त बनाना - जागरूकता से कार्यवाई त्वर' विषय पर आयोजित सत्र में 20 कार्यपालक एवं नर्स - कार्यपालक नर्सों ने भाग लिया। इसमें दुर्घटना दाताओं की पहचान, परामर्श कोशल और समुदाय की भागीदारी पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में आन्या 1.0 वैच की उप महाप्रबंधक शबनम और उप महाप्रबंधक ललिता ने विशेष अतिथि के रूप में अनुभव साझा किए। समन्वय उप प्रबंधक सुमिता पाटला ने किया, संचालन शायला अग्रवाल और लता मिश्रा ने किया।



कोहका में युवा संवाद: विजन 2047 में युवाओं की भूमिका पर सांसाद विजय बघेल ने किया संवाद

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

जेपी ग्रेट, अवंतीबाई चौक, कोहका में 'युवा संवाद - विजन 2047 में युवाओं की भूमिका' विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र पर माल्यार्पण और राष्ट्रगान से हुई। मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल का गुमनामा हद्दनाकर स्वागत किया गया और उन्होंने युवाओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के पूर्व सदस्य विजय साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में धर्मराज शर्मा और राजेन्द्र यादव मौजूद रहे।

अध्यक्षीय उद्घोष में विजय साहू ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विपरीत परिस्थितियों में भी लक्ष्य से विचलित हुए बिना निष्पत्ति में भारत



का मान बढ़ाया। युवाओं को अच्छे समय में अपने मूल्यों और संस्कारों की नई भुलना चाहिए, जीवन में आध्यात्मिक शक्ति जरूरी है। युवाओं को राजनीति और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना समक की जरूरत है। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा

कि स्वामी विवेकानंद के विचारों में सत्यता और भारत के प्रति गौरव था। यदि वर्तमान को बेहतर बनाना भविष्य गढ़ना है तो गौरवशाली अतीत को जानना होगा। भारत कभी विषयवस्तु था, सोने की चिड़िया कहलाता था। अंग्रेजों ने लूट, लेकिन वीर सपूतों ने निर्यात भाव से स्वतंत्रता

गर्भवती माता स्वस्थ होगी तो पीढ़ी स्वस्थ होगी-दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर

उत्तरी में आंगन मिलन कार्यक्रम में हुआ गर्भवती माताओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नाप्राशन



नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा परियोजना दुर्ग ग्रामीण के सेक्टर उत्तरी के मंगल भवन में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अल्प पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना से हुई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पांडे ने कहा कि आंगन मिलन का उद्देश्य शान्त की जनकल्याणकारी योजनाओं को सरल भाषा में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका व मितांन का समर्थन कर आंगनवाड़ी को स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषिक थाली, न्यूता भोज और खेलौना बैंक से सक्षम बनाना है।

मुख्य अतिथि ललित चंद्राकर ने कहा कि



गर्भवती माता स्वस्थ होगी तो पीढ़ी स्वस्थ होगी। सनातन परंपरा गोदभराई और अन्नप्राशन को संस्कार ने पोषण अभियान से जोड़कर मातृशक्ति सम्मान बनाया है। आंगनवाड़ी दीर्घायन घर-घर जाकर कुपोषण के खिलफ लड़ रही हैं। परियोजना अधिकारी उषा झा ने सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाने की अपील की, पर्यवेक्षक प्रमिला वर्मा ने योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में गर्भवती ममला यादव, तारिणी यादव, वासनी गौतम, प्रियंका, राधिका, दीपेश्वरी साहू, दीपिका गायकवाड़ की गोदभराई कर सुयोग्य टुकनी दी गई। 16 माह पूरे कर चुके भव्या दीमर, दिव्यांगी साहू, दिव्यस और ध्रुवित दीमर का अन्नप्राशन हुआ। सोमन विश्वकर्मा, मौनिका साहू, लाभदेव देवांगन, सुनीता चंद्राकर के सहयोग से न्यूता भोज में बच्चों को खीर, पुड़ी, हलवा, केला, सलाद, लड्डू वितरित किए गए।

पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शन, स्वस्थ शिशु

प्रतियोगिता में धैर्य यादव और नव्या साहू की माता पारुषिन्त, मेहदी में सोमन प्रथम, सुषमा द्विवेदी, भूमिनी तृतीय और फुगड़ी में तृषा प्रथम, भूमिका द्विवेदी रहे।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा साहू, सरस्वती चंद्राकर, पुष्पा नेनाम, प्रेम कुमारी पटेल, फुलेस्वरवी देवांगन, माद्री ठाकुर, सरिता साहू, सहायिका गीता पाठक, चंद्रिका देशदेहरे, तुलसी, सविता गौतम, दुलेश्वरी साहू, अनिता सेन, रुक्मणी ठाकुर और मितांन मधु वैष्णव, हेमलता भारती, उषा भारती, लक्ष्मी बमभोले को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में रूड, शुगर, इड जांच और सुकन्या समृद्धि खाता शिविर लगा। विधायक ने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती साहू, उपाध्यक्ष शिवनारायण देवसुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बीएसपी से स्क्रीप कॉपर केबल चोरी करने वाले 4 गिरफ्तार, एक अपचारी बालक निरुद्ध



नई दृष्टिविंदु / मिलाई

भिलाई स्टील प्लांट में सुसकर स्क्रीप कॉपर केबल चोरी करने वाले 4 आरोपियों को भुवनेश्वरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि एक अपचारी बालक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से 100 किलो केबल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वसूली की गई है।

पुलिस के अनुसार 29 सितंबर को के.एस.बी.बी.एस.पी. ने थाने में दो रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपियों ने प्लांट के अंदर से 60 किलो और 40 किलो स्क्रीप कॉपर केबल की गठरी जाने का प्रयास किया था, तभी उल्लंघन ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों प्रकरणों में अपराधी पंजीबंद कर आरोपियों से 96, 100 रुपये कोमत की 100 किलो केबल और CG 07 BP 5037 एचएफ डीलक्स बाइक कोमत 10,000 रुपये जप्त की। आरोपियों को 30 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया, जबकि अपचारी बालक पर किशोरी न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपी में दुर्गेश जोशी, 18 वर्ष, स्टेशन मरोटा, दुर्ग, अजय सोनवाने, 18 वर्ष, स्टेशन मरोटा, दुर्ग, जोसेफ बाघ, 32 वर्ष, जोरातराई उत्तरी, भिलाई, हितेश कुमार देशमुख, 24 वर्ष, खण्डवाड़ा, बालीद और एक अपचारी बालक शामिल हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीपेश्वर चंडवंशी, प्रधान आश्रक पुरुषोत्तम साहू, किशोर पाल, प्रकरणों में अपराधी पंजीबंद कर आरोपियों से 96, 100 रुपये कोमत की 100 किलो केबल और CG 07 BP 5037 एचएफ डीलक्स बाइक कोमत 10,000 रुपये जप्त की। आरोपियों को 30 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया, जबकि अपचारी बालक पर किशोरी न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

अक्टूबर से प्रीमियम विदेशी दुकानों में कैश बंद केवल ऑनलाइन पेमेंट से मिलेगी शराब
दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के आबकारी विभाग ने एक बड़ा फैसला लिया है। शासन के निदेशानुसार दुर्ग जिले की सभी प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकानों में 1 अक्टूबर 2026 से मदिरा खरीदने के लिए नगद भुगतान पूरी तरह बंद किया जा रहा है। सहायक आबुक्त आबकारी कंट्रोलर खलखो ने बताया कि शासन के जारी निर्देश के अनुसार अब शाहकों को प्रीमियम मदिरा दुकान से शराब खरीदने के लिए फंडिंग डिजिटल (ऑनलाइन) माध्यम से ही भुगतान करना होगा।

एसएमएस-3 में इलेक्ट्रिकल शॉक और पलैशओवर पर माँक ड्रिल का आयोजन

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा के लिए त्रैमासिक माँक ड्रिल का आयोजन 29 सितंबर को प्रथम पाली में सुबह 11 बजे किया गया। ड्रिल का परिचय क्रेन सवरेक्षण-1, क्यूबिकल नंबर 6F1, HI वे प्रवेश क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल शॉक और पलैशओवर पर आधारित था। परिचय के अनुसार एयर सर्किट ब्रेकर की रैकिंग-इन के दौरान मूविंग कॉन्टैक्ट जॉब वीले होकर विस्थापित हो गए, जिससे चार्ज इनकमिंग बसबार फेजों के बीच शॉर्ट सर्किट और पलैशओवर हुआ। इसमें एक तकनीशियन और एक हेल्पर के घायल होकर बेहोश होने की स्थिति दर्शाई गई।

सूचना मिलते ही सायन बजा और संबंधित विभागों व आपात एजेंसियों को



सूचित किया गया। सीआईएसएफ, फायर ब्रिगेड, मेन मेडिकल पोस्ट और सिविल डिफेंस ने तत्काल सहयोग किया। घायलों को प्राथमिक उपचार देकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। जांच के बाद फायर ब्रिगेड ने

विभागाध्यक्ष को ऑल क्लियर सिग्नल दिया और एरिया इंचार्ज ने लगातार सायन बजाकर सामान्य स्थिति की पुष्टि की। करीब 25 मिनट चली ड्रिल में 10 मिनट की मुख्य एक्सरसाइज में बचाव, चिकित्सा सहायता और आपात



प्रतिक्रिया का अभ्यास हुआ। समीक्षा बैठक में मुख्य महाप्रबंधक एसएमएस-3 त्रिभुवन बैठा ने सभी विभागों के त्वरित रिस्पॉन्स और समन्वय की सराहना की और कहा कि ऐसे अभ्यास वास्तविक

आपात स्थिति में तैयारी को मजबूत करते हैं। आयोजन में उप महाप्रबंधक इलेक्ट्रिकल रजत सरकार, महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी उमाकंकर परराजि सहित टीमों का योगदान रहा।

पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त 06 अधिकारी व कर्मचारियों का सम्मान व दी गई विदाई



नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

रक्षित केन्द्र दुर्ग के दधीचि प्रशिक्षण हॉल में पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे 6 अधिकारी-कर्मचारियों के सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों ने 35 से 40 वर्षों की सेवा के अनुभव साझा किए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ने उनकी दीर्घकालीन

सेवाओं की विभाग के लिए उपयोगी और प्रेरणास्रोत बताया। सभी की पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और स्वस्थ, उच्चवर्ग कर्मचारियों की कामना की गई। सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी में निरीक्षक (एम) श्रीमती सावित्री धुवे, मुख्य लिपिक, एसीपी कार्यालय दुर्ग, सडन अजित सिंह, सडन रामचन्द्र कुंशी, सडन मानसिंह सोनवानी, प्र.आ. 225 रामचंद्र सिंह और म.प्र.आ. 246 पुसु राजपूत शामिल हैं। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, रामकुमार गुरेवाला, आधिकार शाखा सहित पुलिस कार्यालय और रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी व परिवजन उपस्थित रहे।

चयन ट्रायल के बाद छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए 130 खिलाड़ी हुए शॉर्टलिस्टेड

उप मुख्यमंत्री साव चयन ट्रायल के दोनों दिन पहुंचे हॉकी स्टेडियम, खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की, फ्रेंचाइजी टीमों के खिलाड़ियों के चयन के लिए 8 अक्टूबर को रायपुर में होगा प्लेयर ड्राफ्ट

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) के पहले सीजन के लिए आयोजित दो दिवसीय चयन ट्रायल आज रायपुर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में संपन्न हुआ। ट्रायल के लिए कुल 373 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 223 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दो दिवसीय चयन प्रक्रिया और खिलाड़ियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के बाद 130 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में हिस्सा लिया और लीग के पहले सीजन में जगह बनाने के लिए अपना दमखम दिखाया। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों के खेल कौशल, प्रदर्शन और निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव लगातार दूसरे दिन ट्रायल स्थल पहुंचे थे।



उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों का खेल देखा, उनसे मुलाकात की और उन्हें अपने खेल को और निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को हौसला अफजाई करते हुए कहा कि

निरंतर अभ्यास और मेहनत के माध्यम से अपने खेल को बेहतर बनाते रहें। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, "छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए आयोजित चयन ट्रायल का सफल समापन राज्य



की हॉकी प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 1373 खिलाड़ियों का पंजीकरण और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से खिलाड़ियों की भागीदारी यह दर्शाती है कि राज्य में हॉकी को लेकर उत्साह और

प्रतिभा दोनों मौजूद हैं। 130 खिलाड़ियों का शॉर्टलिस्ट होना इस प्रक्रिया का एक अहम परिणाम है। अब इन खिलाड़ियों को प्लेयर ड्राफ्ट के माध्यम से लीग को छह टीमों का हिस्सा बनने का अवसर

मिलेगा। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धी माहौल, आवश्यक अनुभव और आगे बढ़ने के अवसर मिलें।" उन्होंने सभी शॉर्टलिस्टेड खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया और लीग के लिए शुभकामनाएं दीं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती आंकांका विश्वा खलतों, छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष श्री मनीषा श्रीवास्तव और सचिव फिरोज अंसारी भी इस दौरान मौजूद थे।

चयन ट्रायल के बाद अब लीग के पहले सीजन के लिए टीम गठन की दिशा में आला महत्वपूर्ण चरण सीएचएल प्लेयर ड्राफ्ट होगा। 8 अक्टूबर को रायपुर में आयोजित होने वाले इस ड्राफ्ट में शॉर्टलिस्ट किए गए 130 खिलाड़ी शामिल होंगे। इन खिलाड़ियों में से छह फ्रेंचाइजी टीमों अपने-अपने खिलाड़ी दल का शुभकामनाएं। इसके बाद लीग के पहले सीजन के लिए टीमों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

खास खबर

राज्योत्सव स्थल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, तैयारियों और व्यवस्थाओं के संबंध में की गई व्यापक चर्चा



नवा रायपुर अटल नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर मेंला ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारियों के संबंध में मुख्य सचिव विकासशील के निदेश पर पर्यटन एवं संस्कृति सचिव डॉ.एस भारतीदास एवं कमरेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान सीएसआईडीसी के एमडी विश्वेश झा, नगर निगम आयुक्त संजित मिश्रा, पर्यटन मंडल के एमडी सौमिल रंजन चौबे, एस पी ग्राणाला श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, एडीएम उमाशंकर बंदे, एनआरडीए के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आगामी राज्योत्सव के आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों ने एग्रीजिशन सेंटर, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल, शिपग्राम, प्रशासनिक भवन, हेलीपैड, पार्किंग जोन, फूड जोन, पन जोन, मुख्य प्रवेश द्वार एवं बस स्टॉप सहित विभिन्न स्थलों को निरीक्षण समग्र पूर्व सुव्यवस्थित करने के संबंध चर्चा की। इस दौरान आयोजन स्थल पर जेसीबी के माध्यम से समतलीकरण कार्य करने, पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, सिटिंग अरेंजमेंट तथा विभिन्न स्टालों की तैयारियों के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई।

सचिव डॉ.एस भारतीदास एवं कमरेक्टर डॉ.गौरव सिंह से एस पी ग्राणीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने राज्योत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग जोन में वाहनों की सुचारु आवाजाही तथा कार्यक्रम स्थल पर भीड़ प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मुख्य प्रवेश द्वार एवं निकास मार्गों, पार्किंग क्षेत्रों तथा आगंतुकों के सुमम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक पुलिस बल को तैनाती एवं यातायात व्यवस्था के बेहतर समन्वय पर चर्चा की।

अधिकारियों ने राज्योत्सव में आने वाले नागरिकों एवं आगंतुकों की सुविधा, सुरक्षा और सुमम आवागमन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुव्यवस्थित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में तैयारियों पूर्ण करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान आयोजन स्थल की समस्त व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपनी समन्वय के साथ कार्य करने तथा तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।



भारत सरकार का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की महत्वाकांक्षी 'प्रगति-50' (PRAGATI-50) योजना में छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर को शामिल किया गया है। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योजना का शुभारंभ किया। देश के चुनिंदा 50 शहरों में राज्य के दो शहरों के शामिल होने से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के नगरीय विकास एवं स्वच्छता प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है।

शुभारंभ कार्यक्रम में चयनित राज्यों के नगरीय विकास विभागों, शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने सहभागिता की। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोषन साहू नई दिल्ली से कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजनांदगांव से

सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने मिशन मोड में करें काम : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने की परिवहन विभाग के कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में परिवहन विभाग के कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए प्रदेश में सुरक्षित, सुगम और आधुनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों को न्यूनतम करने के लिए सभी संबंधित विभाग मिशन मोड में समन्वित रूप से कार्य करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल दुर्घटनाओं की संख्या कम करना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली प्रत्येक संभावित जघनहानि को रोकना भी करना चाहिए। इसके लिए दुर्घटना से पहले रोकथाम और दुर्घटना के बाद त्वरित सहायता एवं उपचार—दोनों स्तरों पर व्यवस्था मजबूत करनी होगी। उन्होंने ज़ीरो फेटैलिटी के लक्ष्य की दिशा में परिवहन, पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग और नगरीय निकायों सहित सभी संबंधित विभागों को विसर्त और परिणामोन्मुखी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास से जुड़ा विषय है। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान, सुरक्षित सड़क संरचना, यातायात नियमों का प्रभावी पालन, वाहनों की तकनीकी फिटनेस, प्रशिक्षित चालक और दुर्घटना के बाद त्वरित चिकित्सा सहायता जैसे सभी पहलुओं पर एक साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

ब्लैक स्पॉट पर तेजी से हों सुधारतात्मक कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और ब्लैक स्पॉट की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारतात्मक एवं सुरक्षात्मक उपाय प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में राज्य के 23 ब्लैक स्पॉट में सुधार को कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने इन कार्यों को तेजी से पूरा करने तथा दुर्घटनाओं के कारणों का निष्पक्ष विश्लेषण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना होने के बाद शुरुआती समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। घायल व्यक्ति तक जितनी जल्दी सहायता और चिकित्सा सुविधा पहुंचेगी, जीवन बचाने की संभावना

उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच का महत्वपूर्ण आधार है। दूरस्थ गांवों को बस सेवा से जोड़ने का अर्थ वहां के लोगों के लिए अनेक नए अवसरों के द्वार खोलना है। शासन का प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश के अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक भी सुगम, सुरक्षित और सुलभ सार्वजनिक परिवहन सेवा पहुंचे। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत वर्तमान में 13 ब्खिलों के 106 मार्गों पर 107 बसों का संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने परिवहन सुविधा से वंचित क्षेत्रों का सर्वे कर नए मार्गों की संभावनाओं का परीक्षण करने और आवश्यकता के अनुसार योजना का विस्तार करने के निर्देश दिए।

दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए आप आएं नागरिक

मुख्यमंत्री श्री साय ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध करने के उद्देश्य से पीएम-राहत योजना और राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों तक यह संदेश प्रभावी रूप से पहुंचना चाहिए कि सड़क दुर्घटना देखकर धक्काएं नहीं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति की सहायता के लिए आगे आएं। बैठक में बताया गया कि पीएम-राहत योजना के अंतर्गत पात्र सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक 1.50 लाख रुपए तक केशलेस उपचार की सुविधा का प्रवाधान है। वहीं राहवीर योजना सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय पर सहायता करने वाले नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता से सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार दिलाने में बड़ी मदद मिल सकती है।

दूरस्थ गांवों तक पहुंचे सार्वजनिक परिवहन, ग्रामीण बस योजना का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की समीक्षा करते हुए इसे और विस्तार देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्रामीण, वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों की प्राथमिकता से चिन्तित किया जाए, जहां अभी निगमित परिवहन परिवहन सुविधा

सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। तकनीकी आधारित व्यवस्था से फिटनेस जांच में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। उन्होंने 15 वर्ष की अवधि पूरी कर चुके वाहनों के नियमानुसार नवीनीकरण और फिटनेस संबंधी प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एचएसआरपी अभियान में तेजी और लंबित चालानों की रिकवरी के निदेश

मुख्यमंत्री ने वाहनों में हाई सिक्वियोरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाने के अभियान को सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के साथ वाहन मालिकों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने लंबित चालानों की रिकवरी में तेजी लाने और अत्याधुनिक चालान प्रणाली का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात नियमों के पालन के लिए तकनीकी के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।

कम्प्यूटराइज्ड ड्राइविंग टेस्ट से बड़ेगी पारदर्शिता, योग्य चालकों को ही मिले लाइसेंस

बैठक में ड्राइविंग टेस्ट के लिए विकसित की जा रही ई-ट्रैक व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके अंतर्गत सीसीटीवी कैमरों और सेंसर आधारित प्रणाली के माध्यम से कम्प्यूटराइज्ड ड्राइविंग टेस्ट की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाए। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ने के साथ यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी कि आवश्यक प्रशिक्षण और दक्षता रखने वाले व्यक्ति ही वाहन चलाएं। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से प्रशिक्षित और जिम्मेदार चालक को प्रोत्साहित करने महत्वपूर्ण है।

कोटा-जगरगुड़ा बस सेवा से दुर्गम क्षेत्र में आसान हुआ सफर

बैठक में दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के सकारात्मक प्रभावों की भी जानकारी दी गई। कोटा से जगरगुड़ा के बीच पहली बार प्रारंभ हुई बस सेवा से क्षेत्र के नागरिकों को

आवागमन में बड़ी सुविधा मिली है। बताया गया कि अंदरूनी और सुदूर क्षेत्रों से इस यात्रा में पहले लगभग छह घंटे तक का समय लग जाता था। बस सेवा प्रारंभ होने के बाद यही सफर लगभग 45 मिनट में पूरा हो रहा है। इससे स्थानीय लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी विकास की गति को तेज करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। जिन क्षेत्रों में वृ्ध को सार्वजनिक परिवहन रोज़ीत रहा है, वहां नियमित बस सेवा आम नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को मिले प्रोत्साहन

बैठक में राज्य की इलेक्ट्रिक वाहन नीति तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने तथा नई तकनीक आधारित परिवहन सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि परिवहन विभाग की प्रत्येक व्यवस्था के केंद्र में आम नागरिक की सुरक्षा और सुविधा होनी चाहिए। ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों तक सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, सुविधित एवं फिट वाहन, प्रशिक्षित चालक, आधुनिक तकनीक का उपयोग, बेहतर सड़क सुरक्षा प्रबंधन और दुर्घटना की रीति में तत्काल उपचार – इन सभी मोर्चों पर एक साथ प्रभावी ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि परिवहन व्यवस्था ऐसी हो जो प्रदेश के लोगों का सफर आसान बनाने के साथ सुरक्षित भी बनाए। विभागों, समन्वय, आधुनिक तकनीक और सख्तीवादी प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सुरक्षित, सुगम और आधुनिक परिवहन तंत्र को निरंतर मजबूत किया जाए।

बैठक में परिवहन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुधीर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भारगव, परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश, परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव प्रभात मलिक सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता की राष्ट्रीय पहल 'प्रगति-50' में रायपुर और बिलासपुर शामिल

शहरी स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं के कार्यों में आगयी तेजी, केंद्र सरकार देगी विशेष तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

भारत सरकार का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की महत्वाकांक्षी 'प्रगति-50' (PRAGATI-50) योजना में छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर को शामिल किया गया है। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योजना का शुभारंभ किया। देश के चुनिंदा 50 शहरों में राज्य के दो शहरों के शामिल होने से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के नगरीय विकास एवं स्वच्छता प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है।

शुभारंभ कार्यक्रम में चयनित राज्यों के नगरीय विकास विभागों, शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने सहभागिता की। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोषन साहू नई दिल्ली से कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजनांदगांव से



कार्यक्रम में वरुंअली जुड़े। मुख्यमंत्री श्री साय और उप मुख्यमंत्री श्री साव ने 'प्रगति-50' में शामिल होने पर रायपुर और बिलासपुर नगर निगमों, दोनों शहरों के स्वच्छता मित्रों तथा शहरवासियों को बधाई दी है। रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा दोनों नगर निगमों के आयुक्त भी कार्यक्रम में ऑनलाइन सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री द्वारा 'प्रगति' की बैठक में दिए गए निर्देशों पर शुरु हुई पहल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 51 वीं 'प्रगति' बैठक के निर्देशों पर शुरु की गई यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत चयनित शहरों में स्वच्छता और नागरिक

प्रगति-50' में उपयोग किए गए जल के उपचार, पुनः उपयोग और समुचित प्रबंधन के साथ अपशिष्ट निपटारण की प्रभावी गतिविधियों पर फोकस

'प्रगति-50' के तहत घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे का वैज्ञानिक पृथक्करण एवं प्रसंस्करण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिकृत बनाने तथा सार्वजनिक स्वच्छता सुविधाओं व शहरों की याप-सफाई में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत उपयोग किए गए जल के उपचार, पुनः उपयोग और समुचित प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता अभियानों में नागरिक, संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बढ़ाने के साथ ही निर्धारित संकेतकों के आधार पर शहरी के प्रदर्शन की निर्यात समीक्षा एवं मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

सुविधाओं को तेज गति से सुदृढ़ करने पर केन्द्रित होगा। राजना में देश के 50 शहरों को शामिल किया गया है। इन शहरों को केंद्र सरकार की ओर से विशेष तकनीकी सहयोग, वसंत मार्गदर्शन और गठन निगमानी मिलेगी। साथ ही श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों को अपनाने के लिए भी सहयोग दिया जाएगा।

राज्य की कोशिशों का परिणाम

मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय के नेतृत्व और उप

मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार नगरीय निकायों में स्वच्छता, जनसुविधाओं के विस्तार, प्रभावी कचरा प्रबंधन और बेहतर सेवा-प्रदाय के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। 'प्रगति-50' के लिए रायपुर और बिलासपुर का चयन राज्य सरकार की इन कोशिशों का परिणाम है। इसमें दोनों नगर निगमों की सक्रिय भूमिका, स्वच्छता मित्रों की मेहनत और नागरिकों का सहयोग भी शामिल है।

राज्य के अन्य नगरीय निकायों के लिए बनेगा मॉडल

'प्रगति-50' के माध्यम से रायपुर और बिलासपुर को राष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियां अपनावने का अवसर मिलेगा। दोनों शहरों में स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, प्रयुक्त जल प्रबंधन तथा नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार किया जाएगा। इन शहरों के अनुभव और नवाचार छत्तीसगढ़ के अन्य नगरीय निकायों के लिए भी उपयोगी मॉडल बन सकेंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लिए रायपुर और बिलासपुर के चयन पर नगरीय प्रशासन विभाग तथा दोनों निकायों के अधिकारियों एवं स्वच्छता मित्रों को बधाई देते हुए कहा कि दोनों शहरों का चयन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। यह हमारे स्थानीय मित्रों के प्रश्रम और नागरिकों की भागीदारी का सम्मान है। इसके सकार के सहयोग से दोनों शहर स्वच्छता के क्षेत्र में देश के अग्रणी शहरों में अपनी जगह बनाएंगे।



संपादकीय

सीडब्लूसी की बैठक में राहुल गांधी को सही साबित करने का प्रयास

कांग्रेस सीडब्लूसी की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने जो कुछ कहा है उसमें कुछ भी नया है। सबकुछ राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं और राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है उसे सीडब्लूसी की बैठक में दोहराया गया है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को गलत साबित करने के लिए राहुल गांधी को सही साबित करने का प्रयास किया गया है। कांग्रेस नेताओं की परेशानी यह है कि उनके पास पिछले तीन चुनाव से लोकसभा चुनाव में जीत दिलाने वाला नेता जीत नहीं देता था। इसलिए लिए कांग्रेस में बैठ नेता भी दोषी हैं जो राहुल गांधी के आसपास हैं।। कोई भी चुनाव जिताना पार्टी से सबसे बड़ा नेता और उनके सिपहसालारों की होती है कांग्रेस में पहले सबसे बड़ा नेता उसके आसपास के लोग ही पार्टी को चुनाव जिताना करते थे। तब उनके सामने कोई ऐसा नेता नहीं होता था जिस पर जनता कांग्रेस नेताओं से ज्यादा भरोसा करे, इसलिए जनता कांग्रेस को चुनाव जिताना दिया करती थी।

आज कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी उनके सिपहसालारों के सामने मोदी और उनके सिपहसालार हैं जिन पर जनता कांग्रेस के राहुल गांधी व उनके सिपहसालारों से ज्यादा भरोसा करती है। कांग्रेस के चुनाव हारने की यही वजह है कि जनता उस पर पहले की तरह भरोसा नहीं करती है और पीएम मोदी व भाजपा पर जनता ज्यादा भरोसा करती है। इसके लिए जितने जिम्मेदार राहुल गांधी हैं, उतने ही जिम्मेदार उनके आसपास के सिपहसालार हैं। यह उनकी सामूहिक हार है। इसे सामूहिक रूप से स्वीकार इसलिए नहीं किया जाता है तो क्योंकि हार स्वीकारने का मतलब होता है कि अगर जिताने पर पर हो, उस पद के लायक नहीं हो। राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं को अपने पोषित व अघोषित पर पर बने रहना है तो जरूरी है कि वह अपनी सामूहिक हार को न स्वीकारें और हार का कारण किसी दूसरी संस्था या किसी व्यक्ति को बताया जाए।

सीडब्लूसी की बैठक में यही किया गया है।। अन्ततः मुख्य चुनाव आयुक्त राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं के निशाने पर थे, लेकिन सीडब्लूसी की बैठक में जो कुछ कहा गया है। इससे साफ हो जाता है कि अब कांग्रेस के मुख्य टारगेट पीएम मोदी हैं। कांग्रेस के पास न तो मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कोई सबूत है और न ही पीएम मोदी के खिलाफ कोई सबूत है। वह हवा हवाई आरोप लगाते हैं और हवा हवाई आरोप आगे भी लगाती रहेंगी। इसलिए वह जो चाहती है मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा, पीएम पर से हट जाए, यह तो नहीं चाला नहीं है। कांग्रेस खुद तो मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कुछ कर नहीं सकती। यानी उन्हें हटाने के लिए माहभोगिया भी लागूगो हो वह पारित नहीं कर सकती। यानी पूरे विपक्ष को एकजुट कर ले तो भी वह मुख्य चुनाव आयुक्त का कुछ बिगाड़ नहीं सकती। कोई वह जगह नहीं सकती तो उसके लिए सुविधा की राजनीति यही है कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ बयान देती रहे, गिरफ्तारी की मांग करती रहे, पीएम से कार्रवाई की मांग करती रहें।

सीडब्लूसी की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल का यह कहना बचर लिए टारगेट और भारत निर्वाचन आयोग में गड़बड़ाईयों के आरोपों के बीच उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। दो चुनाव आयुक्तों ने एकदके कामकाज और फैसलों के बारे में कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था, और इस मामले को जानकारी प्रधानमंत्री को भी है। वेणुगोपाल ने जोर देकर कहा कि इस मामले में दखल देना प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी है। इससे साफ हो जाता है कि कांग्रेस कितना भी हल्ला मचला कर ले वह कुछ कर नहीं सकती है। वह ज्यादातर चुनावों में हार से निराश, हताश और असहाय हो गई है, उसके हाथ में कुछ नहीं है। वह एक ही काम अच्छे से कर सकती है राहुल गांधी किसी भी पार्टी करें, कितने भी चुनाव में कांग्रेस को जिताने सके लेकिन राहुल गांधी की तारीफ करनी और बताते राहुल गांधी कभी कोई गलती नहीं करते हैं।

इसका उदाहरण है वेणुगोपाल यह कहना कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद गांधी पिछले 18-19 महीनों से लगातार सबूत पेश कर रहे हैं। हकीकत यह है कि कांग्रेस नेता जिसे सबूत मानते हैं वह खरब होते तो मुख्य व राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट जाते, नहीं गए इसलिए कि जिसे वह गड़बड़ाई का सबूत मानते हैं, वह गड़बड़ाई का सबूत है ही नहीं, वेणुगोपाल ने सेंट्रल नेशनल कांग्रेस के 1930 के लार्ड आर्चबिशप का भी जिक्र किया और ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन के दौरान 'पूर्ण स्वराज' (पूरी आजादी) की मांग को याद करते हुए बताने की कोशिश की कि कांग्रेस के जैसे नेता अंग्रेजों के वक्त हुआ करते थे, कांग्रेस के वैसे ही नेता राहुल गांधी तब के नेताओं ने पूर्ण स्वाधीन के लिए आंदोलन किया था, आज वह राहुल गांधी लोकतंत्र, संविधान की रक्षा के लिए वैसा ही काम कर रहे हैं।

राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं की बड़ी कमजोरी यह भी है कि यह जनता के बीच जाकर ऐसा कुछ करते नहीं हैं, ऐसा कुछ कहते नहीं हैं कि जनता को यकीन आए वह जो कह रहे हैं सच कह रहे हैं, यह जो कर रहे हैं, ठीक कर रहे हैं। वह कहते हैं कि वोटर चोरी हो रहा है और वोटर चोरी के कारण कांग्रेस हार रही है, भाजपा जीत रही है। वह कहते हैं मतदाता सूची से लोगों के नाम काट दिए जा रहे हैं, चुनाव में पहले से ज्यादा लोग वोट कर रहे हैं, वह कहते हैं कि चुनाव में गड़बड़ाई हो रही है लेकिन कभी भी दोबारा चुनाव पहले की तरह कराना नहीं पड़े रहा है। इन्होंने एक चुनाव आयुक्त मनमानी करती है, आज तीन चुनाव आयुक्त हैं इसलिए कि कोई मनमानी न कर सके। मनमानी का आरोप है तो कोई सबूत भी होना चाहिए। कांग्रेस आरोप के साथ सबूत पेश नहीं करती है इसलिए उसके आरोपों पर जनता यकीन नहीं करती है।

बरस्तर के जनजातीय बच्चे देश को दिखा रहे नई राह

दत्तेवाड़ा की जावंगा एजुकेशन सिटी से नीटक्रेक, आईआईटी-एनआईटी में दाखिला और एसएंडपी ग्लोबल जैसी वैश्विक कंपनियों में नौकरी कर रहे जनजातीय बच्चे



धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क, रायपुर

दक्षिण बरस्तर के दत्तेवाड़ा जिले में जावंगा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी आज जनजातीय बच्चों के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और आत्मविकास का बड़ा केंद्र बन चुकी है। इस एजुकेशन सिटी ने हिंसा और गरीबी से जुड़े जनजातीय बच्चों की किस्मत ही बदल दी। कभी दूरस्थ गांवों के बच्चों के सामने सुरक्षित शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर की बड़ी चुनौती थी। आज यहां की बेटीयां नीट पास कर डॉक्टर बनने की राह पर हैं, युवा एसएंडपी ग्लोबल जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं और खिलाड़ी मैदान पर अपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। यह उन बच्चों की कहानी है, जिन्होंने हर चुनौती को मात देकर खुद को साबित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के दत्तेवाड़ा जिले के जावंगा (एजुकेशन सिटी) में 9 मई 2015 को आए थे, जहां उन्होंने एजुकेशन सिटी का निरीक्षण किया था और छात्रों से बातचीत की थी।

150 एकड़ में फैला सपनों का शहर

अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है। यहां स्कूल शिक्षा, आवासीय शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थान संचालित हैं। यह एजुकेशन सिटी शिक्षक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, यह एक पूरी दुनिया है। करीब 150 एकड़ में फैले इस परिसर में 43 शैक्षणिक और आवासीय संस्थाएं चल रही हैं। यहां 7,436 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिनमें 4,692 शालिकाएं शामिल हैं। इनमें से 5,370 बच्चे यहाँ छात्रावासों में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर-दराज के जंगलों और गांवों से आए इन बच्चों को सुरक्षित घर, खाना, पढ़ाई और मार्गदर्शन सब कुछ एक ही छत के नीचे मिल रहा है। इसकी वजह से स्कूल ड्रॉप-आउट की दर 50% से घटकर महज 13% रह गई है।

जो बेटीयां जिनके गांवों में कभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं था, आज उन्हीं इलाकों की बेटीयां नीट-यूजी पास कर डॉक्टर बनने की कतार में खड़ी हैं। छू लो आसमान कन्या आवासीय कॉचिंग सेंटर, कारली की कई छात्राओं ने इस साल नीट-यूजी में सफलता पाई है। इन्हें राज्य के शासकीय चिकित्सक कॉलेजों में एमबीबीएस, आयुर्वेद, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सा में दाखिला मिला है। परीक्षा पास करने के साथ ही यह उन परिवारों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी बेटी 'डॉक्टर बेटी' कहलाएंगी।

डिजिटल क्रांति की नई कहानी

डिजिटल शिक्षा की दिशा में यहां के नवगुरुकुल का प्रयास भी प्रेरक है। यहां युवाओं को आधुनिक डिजिटल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस केंद्र से प्रशिक्षित लगभग 100 युवा डेटा एनालिस्ट्स और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। नवगुरुकुल को एक छात्रा घर बन चुका है। यह उपलब्धि बताती है कि बरस्तर की प्रतिभा अब देश की बड़ी कंपनियों तक पहुंच रही है। आईआईटी में डीजल मैकेनिक, फिट्टर, वेल्डर और इलेक्ट्रिकल जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण लेने वाले 95 फीसदी छात्र जनजातीय समुदाय से हैं।



मैदान में निस्सर रही खेल प्रतिभाएं

एजुकेशन सिटी में पढ़ाई के साथ खेल प्रतिभाओं को भी निखारा जा रहा है। यहां के 'एकलव्य खेल परिसर' में ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, वॉटरबाजी और इंडोर स्टेडियम जैसी बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं। 'खेलो इंडिया' से जुड़े इस परिसर में करीब 4,000 आदिवासी बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। वच्चे सिर्फ खेल



कला, विज्ञान और वाणिज्य की उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यहां बेहतरीन आवास, भोजन, लाइब्रेरी और लैब पौडित सुविधाओं ने अभिभावकों का भरोसा जीता है। इससे दूरस्थ गांवों की उन बेटीयां के सपने सच हो रहे हैं, जिन्हें पहले पढ़ाई के अवसर नहीं मिलते थे।

तेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जैसे इलाकों जो कभी नक्सल प्रभावित थे, वहां के अनाथ और हिंसा पीड़ित बच्चों को आस्था विद्या मंदिर ने नया घर दिया है। यहां दाखिला मेरिट से नहीं, बच्चे की जरूरत और हालात देखकर होता है। इन बच्चों को सुरक्षित छत, पढ़ाई, खेल, संगीत और खुशहाल बचपन मिल रहा है। बंदूकों की गुंज के बीच पले-बढ़े ये बच्चे अब किताबों की दुनिया में अपनी नई पहचान बना रहे हैं।

इस माँडल को सबसे सराहा

जावंगा एजुकेशन सिटी की कामयाबी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। प्रतिष्ठित संस्था केपीएमसी ने इसे दुनिया की 100 सबसे बेहतरीन (नवेनोमी) परिवोजनाओं में शामिल किया है, जिसमें पूरे भारत से मात्र 6 प्रोजेक्ट चुने गए हैं। इस अनूठी पहल के लिए दत्तेवाड़ा प्रशासन को 'प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस शिक्षा माँडल की सफलता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी जावंगा का दौरा कर इसकी प्रशंसा कर चुके हैं। जावंगा एजुकेशन सिटी आज रही है 'रवामी आत्मनंद स्कूल' में लगभग 1200 छात्र।

आज के बच्चे, कल का भविष्य

सेवा संकल्प से साकार हो रहा सुपोषित छत्तीसगढ़

ओम प्रकाश इहरीया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वें पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान की भावना जनभागीदारी और सेवा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रही है। इस अभियान की सार्थक पहल आंगन मिलन उत्सव के रूप में गांवों के आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचती दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की सेवा-भावना से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख आधिकारिक स्तर पर भी किया गया है। आंगन मिलन उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है। गांव के आंगनबाड़ी केंद्रों में महतारी वंदन योजना के हिताहितों का सम्मान, बच्चों को कुपोषण से बचाए लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दीदीयों, मितानिनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान इस पहल का सोव और समान की संवेदना से जोड़ता है। गांव के वरिष्ठ नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता इस आयोजन को और अधिक आत्मीय बनाती है। उनके हाथों बच्चों और महिलाओं को सुपोषण एवं स्वस्थ जीवन के लिए



उपयोगी टिप्स दिए जाना उस पीढ़ी के अनुभव को नई पीढ़ी के भविष्य से जोड़ने जैसा है।

उत्सव में अन्न के दानों से बनाई गई सुपोषण की रंगोली केवल कला की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि यह संदेश देती है कि हमारे घर और खेतों में उपलब्ध पौष्टिक अन्न ही स्वस्थ जीवन का मजबूत नींव है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के

माध्यम से भी सुपोषण का संदेश सहज और प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

इसी क्रम में अन्नाप्रान कार्यक्रम नवजात के जीवन में पोषण की नई शुरुआत का प्रतीक बना है, तो गौर मंदिर कार्यक्रम मातृत्व, मातृ स्वास्थ्य और आम वाली पीढ़ी के देखभाल के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाता है।

दरअसल, सुपोषण केवल भोजन की पर्याप्तता का विषय नहीं है। यह मां के स्वास्थ्य, बच्चे के पोषण, परिवार की जागरूकता और समाज की सहभागिता से जुड़ा व्यापक संकल्प है। जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्व-सहायता समूह की दीदीया, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण समुदाय एक साथ मिलकर बच्चों के पोषण की रक्षा करते हैं, तब सेवा का भाव बचपन पर दिखाई देता है।

आज के बच्चों के पोषण में ही कल के विकसित समाज की नींव रखी जाती है। इसलिए कुपोषण के विरुद्ध जागरूकता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य की देखभाल और सुपोषण की आदतों को बढ़ावा देना वास्तव में आम वाली पीढ़ी के लिए किया गया सबसे बड़ा निवेश है। सेवा संकल्प की यही असली तस्वीर है—जहां सामान भी है, सहभागिता भी है और आम वाली पीढ़ी के स्वस्थ भविष्य का संकल्प भी।

मुन्नी का हौसला, एम हेल्प वॉटर की धार, महालक्ष्मी समूह से रोजगार की बहार

पीएमईजीपी से शुरू किया पैक्ड पेयजल प्लांट, खुद बनीं आत्मनिर्भर और 10 लोगों को दिया रोजगार

एल.डी. मानिकपुरी, कोरिया

पीएमईजीपी से शुरू किया पैक्ड पेयजल प्लांट, खुद बनीं आत्मनिर्भर और 10 लोगों को दिया रोजगार सेवा संकल्प अभियान केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि जनभागीदारी से आत्मनिर्भर और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प भी है। इसी भावना का गमन इमरिया की श्रीमती मुन्नी बाई राजबाई अपने उद्यम के माध्यम से साकार कर रही हैं। कभी खेतों में मजदूरी और छोट-मोटे काम करके परिवार चलाने वाली मुन्नी बाई आज सरकारी योजनाओं के सहयोग से सफल महिला उद्यमी बन चुकी हैं। बिहान योजना से स्वयं सहायता समूह का संबल भिला, प्रशिक्षण से आत्मविश्वास बढ़ा और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने उनके सपने को कारोबार में बदलने का आर्थिक आधार दिया। आज वे स्वयं आत्मनिर्भर हैं और करीब 10 लोगों को रोजगार भी दे रही हैं।

समूह से जुड़कर मिली उद्यम की राह

मुन्नी बाई बिहान योजना के अंतर्गत महालक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आजीविका की नवीनियों का प्रशिक्षण मिला। रायपुर में प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पीएमईजीपी की जानकारी मिली। योजना से प्रभावित होकर उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग



केंद्र पहुंचकर विस्तृत जानकारी ली और अपना व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया।

परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति के बावजूद उन्होंने गांव में जमीन लेकर पैक्ड पेयजल प्लांट स्थापित करने का फैसला किया। कई महीनों की प्रक्रिया के बाद पीएमईजीपी के तहत करीब 25 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। ऋण एवं उपलब्ध सहायता से शेड, बाउंड्री और बोरवेल सहित आवश्यक व्यवस्था तैयार की गई। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने एम हेल्प वॉटर पैक्ड पेयजल प्लांट शुरू किया।

एक उद्यम से 10 लोगों को रोजगार

मुन्नी बाई का व्यवसाय अब केवल उनके परिवार की आजीविका तक सीमित नहीं है। प्लांट में उनके पति, बेटा-बेटी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा अन्य कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। करीब 10 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है और कर्मचारियों की 6 से 9 हजार रुपये तक प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है। पानी की गुणवत्ता जांच से लेकर बोतल और पैकेजिंग तक के कार्य के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया



है। इससे ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही रोजगार और नए कौशल का अवसर मिला है।

गांव से कई जिलों तक पहुंचा कारोबार

मुन्नी बाई के अनुसार पिछले एक वर्ष में करीब एक से डेढ़ लाख पानी की बोतलों की पैकिंग की जा चुकी है। बैकुण्ठपुर के साथ मनेन्द्रगढ़, निरमिरी, आंबिकापुर, प्रतापपुर, विश्रामपुर, सुरपुर, भैरवधाम और कुदरगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में एम हेल्प वॉटर की आपूर्ति की जा रही है।



महालक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद मिली वित्तीय सहायता, बैंक लॉकेज, प्रशिक्षण और उद्योग विभाग के अभिसरणा से पीएमईजीपी का सहयोग उनके उद्यम की सफलता में महत्वपूर्ण साबित हुआ। मुन्नी बाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि पीएमईजीपी जैसी योजनाओं ने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर दिया। सरकारी सहयोग और मार्गदर्शन से आज वे अपने पैरों पर खड़ी हैं और दूसरों की भी रोजगार दे पा रही हैं।

मुन्नी बाई की कहानी बताती है कि सरकारी योजनाओं का लाभ जब जनभागीदारी, संकल्प और मेहनत से जुड़ता है, तो उसका प्रभाव एक परिवार से आगे बढ़कर पूरे समाज तक पहुंचता है। एक महिला आत्मनिर्भर बनती है, रोजगार अवसर पैदा करती है और गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहभागी बनती है। सेवा संकल्प अभियान की भावना भी यही है—सेवा के साथ जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता विकसित समाज के निर्माण में हर व्यक्ति की भागीदारी। मुन्नी बाई इसी संकल्प की एक प्रेरक तस्वीर हैं।

जैन मंदिर रोड के नाम परिवर्तन के मुद्दे पर विवाद की स्थिति, सकल जैन समाज ने महापौर से लगाई गुहार

136 साल पुराने ऐतिहासिक जैन मंदिर से जुड़ा है मार्ग का नाम, मुद्दा सामने आने से सकल जैन समाज में छाया आक्रोश

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

शहर के ब्राह्मणपारा वार्ड क्रमांक 32 स्थित कालिंद मंदिर चौक को गांधी चौक से जोड़ने वाले जैन मंदिर रोड के नाम परिवर्तन को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। इस मार्ग पर करीब 136 वर्ष पुराना ऐतिहासिक श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा जैन मंदिर) स्थित है। जैन समाज के अनुसार मंदिर की स्थापना के समय से ही इस मार्ग को जैन मंदिर रोड के नाम से जाना जाता है। ऐसे में मार्ग का नाम बदले जाने के मुद्दे का सकल जैन समाज में विरोध करते हुए इसे यथावत रखने की मांग की है।

बताया गया है कि एक मार्ग का नाम वरिष्ठ भाजपा नेता रहे खं. चैतसूख भट्टड़ के नाम पर किए जाने को लेकर नगर निगम में आवेदन दिया गया है। इसके बाद नामकरण को लेकर क्षेत्र में

दो पक्षों के बीच मतभेद की स्थिति बनी है। इसे लेकर मॉलवार को श्री दिगंबर जैन पंचायत दुर्ग एवं सकल जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर अलका बाघमरा से मुलाकात कर जापान सीपा और जैन मंदिर रोड का नाम यथावत रखने की मांग की है।

इस दौरान सकल जैन समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि जैन मंदिर रोड केवल एक सड़क का नाम नहीं, बल्कि जैन समाज की ऐतिहासिक एवं धार्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि मार्ग के नाम में किसी भी प्रकार का परिवर्तन समाज के लिए स्वीकार्य नहीं होगा।

श्री दिगंबर जैन पंचायत के महामंत्री सदीप लुहाड़िया ने बताया कि जैन मंदिर रोड का उल्लेख गुरुल मैप, मानचित्र तथा नगर निगम के वर्ष 1960 के अभिलेखों में भी इसी नाम से दर्ज है। मार्ग के आसपास करीब 300 परिवार निवास करते हैं,



जिनका आबादी एक हजार से अधिक है। उन्होंने कहा कि यहां निवासरत लोगों के आधार कार्ड सहित अनेक शासकीय एवं अर्धशासकीय

दस्तावेजों में भी जैन मंदिर रोड पता दर्ज है। ऐसे में नाम परिवर्तन से आम लोगों को दस्तावेजों में संशोधन सहित अनेक व्यवहारिक परेशानियों का

सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि जैन मंदिर रोड का नाम ऐतिहासिक रूप से स्थापित है और इसे बदलना व्यवहारिक दृष्टि से भी उचित नहीं होगा। समाज की धार्मिक एवं ऐतिहासिक भावनाएं भी इस मार्ग के नाम से जुड़ी हुई हैं।

सदीप लुहाड़िया ने कहा कि सकल जैन समाज वरिष्ठ भाजपा नेता रहे खं. चैतसूख भट्टड़ का सम्मान करता है। भाजपा संगठन और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान की भुलाया नहीं जा सकता। समाज को उनके नाम पर किसी अन्य स्थान का नामकरण किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि जैन मंदिर रोड को छोड़कर शहर में किसी अन्य उपयुक्त स्थान का नाम रख, चैतसूख भट्टड़ के नाम पर किया जाता है तो सकल जैन समाज उसका स्वागत करेगा।

महापौर को ज्ञापन सौंपने के दौरान श्री दिगंबर

जैन पंचायत के संरक्षक कैलाश बाकलीवाल, महावीर गंगवाल, संतोष जैन, अध्यक्ष ज्ञानचंद पाटनी, महामंत्री सदीप लुहाड़िया, उपाध्यक्ष सुरेश जैन, उपमंत्री रमेश सेठी, कोषाध्यक्ष महेंद्र पाटनी, श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल पंचायत के अध्यक्ष राकेश छाबड़ा, मंत्री पंकज छाबड़ा, उपमंत्री मनोज बाकलीवाल, महावीर जयंती समारोह समिति के उपाध्यक्ष मनीष विमल बड़जाना, अध्यक्ष जैन, हाउसिंग बोर्ड मंदिर के अध्यक्ष रमेश जैन बाकलीवाल, मंत्री राकेश जैन, स्टेशन रोड मंदिर के अध्यक्ष अनिल जैन, मंत्री धर्मजैन सहित बाकलीवाल संस्था में समाज के लोग मौजूद रहे। महिला मंडल अध्यक्ष मीना पाटनी, मंत्री अनिता बाकलीवाल, ममता पाटनी, सुनीता गोधा, चुन्नी वाई गोधा, सुनीता लुहाड़िया, रंजू सेठी, बबीता बाकलीवाल, श्रीमती रतन पाटनी सहित सकल जैन समाज के अन्य सदस्य भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे।

खास खबर

सेवा सेतु शिविर में नागरिकों को मिल रही विभिन्न योजनाओं की सुविधाएं, तीन स्थानों पर लगे विभागीय काउंटर



नई दृष्टिविंदु / मिलाई

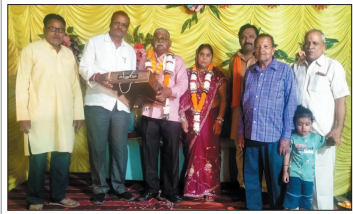
राज्य शासन की 25 वर्षों की जनसेवा एवं विकास भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों से नागरिकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। निगम क्षेत्र के वाई क्रमांक 22 लोकांगन वैशाली नगर, वाई क्रमांक 33 मंगल भवन वैकुण्ठधाम एवं वाई क्रमांक 42 श्रीराम वाटिका डोम रोड में शिविर आयोजित किया गया।

सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक प्रक्रिया को सरल बनाना है। शिविर में नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए हैं, जहां पात्र हिताग्राही अपनी आवश्यकता के अनुसार आवेदन एवं पंजीयन संबंधी कार्य करा रहे हैं। शिविर में पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, पीएम स्वनिधि, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य जांच एवं उपचार, आधार अपडेशन, श्रमिक कार्ड पंजीयन, दिव्यांगता जर्नल के लिए उपकरण, महिला एवं बाल विकास, पीएम स्वसुर योजना तथा राजस्व विभाग द्वारा सहित विभिन्न सेवाओं के काउंटर लगाए गए हैं। निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी आवश्यकता एवं पात्रता के अनुसार संबंधित शिविर स्थल पर उपस्थित होकर शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाएं। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों के कार्यालयों के चक्कर खाने के बजाय एक ही स्थान पर आवश्यक जानकारी, आवेदन, पंजीयन एवं सेवाएं उपलब्ध करने का प्रयास किया जा रहा है।

विद्युत विभाग से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी प्रभात को रेखराम बछेरे ने किया सम्मान

नई दृष्टिविंदु / भिलाई-जायल

विद्युत विभाग से सेवानिवृत्त हुए प्रभात जंधेल का विदाई समारोह उनके निवास लखवुश नगर वाई 13 जामुल मनाया गया। प्रभात जंधेल ने अपने इस 40 वर्षों के शासन सेवा का अनुभव और जनता से मिले स्नेह की सभी के बीच साझा किया। इस यात्रा पर पहले में पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बछेरे, मंडल अध्यक्ष बंटी गुप्ता, पूर्व पांचद धर्मचय साहू, आर्थिक प्रकोष्ठ सदस्य दीपक सिंह, लिव वमां, देव नारायण मिश्रा, विद्युत विभाग के अधिकारी यादव जी, देवांगन जी सहित कर्मचारियों ने भी शुभकामनाएं दीं।



लापरवाही

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वीरा ने सरकार को घेरा

बच्चे परीक्षा दें या अपनी जान बचाएं, स्कूलों में सुरक्षा और किताबों की कमी



नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के रमनडा क्षेत्र आ टांगर शासकीय हाई स्कूल, गनियागरी में

त्रैमासिक परीक्षा के दौरान कक्षा की छत का प्लास्टर गिरने से तीन विद्यार्थियों के घायल होने और त्रैमासिक परीक्षा के बाद भी पूरी पाठ्यपुस्तकें न मिलने के मामले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वीरा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

घटना के संबंध में शासकीय हाई स्कूल, गनियागरी में जब यह हादसा हुआ, उस समय परीक्षा के दौरान कक्षा में करीब 50 विद्यार्थी मौजूद थे और पंच लिख रहे थे। अचानक छत का प्लास्टर गिरने से तीन विद्यार्थी घायल हो गए, जिनमें छात्रा द्वीपदी ज्योत्सु के सिर में गंभीर चोट आई है। यह घटना स्कूल भवन की सुरक्षा और रखरखाव की गंवाहल स्थिति को उजागर करती है।

उन्होंने कहा कि समस्या केवल जीर्ण-

जर्जर पानी टंकी बनी जान का खतरा, आसपास रह रहे परिवारों में दहशत



दुर्ग। पटनामपुर में वीरा-निवास के करीब स्थित पानी की टंकी लंबे समय से जर्जर हालत में है। टंकी के आसपास रहने वाले परिवारों के लिए यह गंभीर सुरक्षा खिंता का विषय बन गई है। टंकी के पास स्थित कुछ डंपर लगे टीना छत भी कई जगह से खराब हो चुके हैं। कुरं में गंदगी जाने की शिकायत भी सामने आ रही है, जिससे पेयजल की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह पानी टंकी पटनामपुर क्षेत्र के कई वार्डों में पेयजल आपूर्ति से जुड़ी हुई है। उपलब्ध नगर निगम संबंधी जानकारी के अनुसार पटनामपुर टंकी क्षेत्र में बाई 43, 44, 45 और 46 शामिल हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वीरा ने कहा कि जिस पानी टंकी से बड़ी संख्या में परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है, उसकी जर्जर स्थिति को नजरअंदाज करना गंभीर लापरवाही है। टंकी के आसपास रहने वाले परिवारों को लगातार भय के महाभूत में रहना पड़ रहा है। यदि समय रहते तकनीकी जांच और आवश्यक मरम्मत नहीं की गई तो किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। अरुण वीरा ने प्रशासन से मांग की कि पटनामपुर पानी टंकी का तत्काल निरीक्षण कर उसकी स्थिति को सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाए और आसपास रहने वाले परिवारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाए जाएं। अगर कोई घटना होती है तो इसका जिम्मेदारी प्रशासन पर होगी।

किताबों की कमी है वहां तुरंत किताबें भेजी जाएं तथा जर्जर स्कूल भवनों की जांच करीकर आवश्यक मरम्मत का कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार बड़े-बड़े बाढ़ देने करने

के बजाय यह सुनिश्चित करे कि प्रदेश के प्रत्येक स्कूलों की सुरक्षा में बच्चों को समय पर पूरी किताबें, सुस्थित भवन, पर्याप्त कक्ष और मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।



बलिंक दुर्ग में करण सिंह के साथ रह रही है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

दोस्त है। दोनों के बीच करीब दो साल से रिश्ता है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

दोस्त है। दोनों के बीच करीब दो साल से रिश्ता है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

दोस्त है। दोनों के बीच करीब दो साल से रिश्ता है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

दोस्त है। दोनों के बीच करीब दो साल से रिश्ता है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

दोस्त है। दोनों के बीच करीब दो साल से रिश्ता है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

दोस्त है। दोनों के बीच करीब दो साल से रिश्ता है। उसकी मौत के बाद परिवर्जन को इस बात का पता चला। अंजलि की सामग्री दिखाई दी थी। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंजलि वास्तव में दिल्ली में नहीं

सेवा की कहानी : बैटरी ट्राइसायकल ने बदली दिनेश साहू की जिंदगी



नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

जिले के नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र अंतर्गत आने वाले आमा कुआं चौक, पुराना के रहने वाले दिनेश साहू का जीवन संघर्ष और अदम्य साहस की एक मिसाल है। दोनों पैरों से 80 प्रतिशत दिव्यांग होने के बावजूद, दिनेश ने कभी अपनी परिस्थितियों के आगे घुटने नहीं टेके। वे अपने और अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए एक प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनके इरादे जितने बुलंद थे, राह उतनी ही कठिन थी। रोज काम पर आने-जाने में उन्हें भारी शारीरिक कठिनाइयों और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ता था। सफर का हर एक कदम उनके लिए एक चुनौती जैसा था, लेकिन वे हिम्मत हारने वालों में से नहीं थे।

इसी बीच दिनेश को समाज कल्याण विभाग की उस योजना के बारे में जानकारी मिली, जिसके तहत दिव्यांगताओं की उनकी दिव्यांगता के आधार पर आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए जाते हैं। तमाम दि एक नई किरण देखते हुए उन्होंने

भिलाई पहुंचे। वह का पोस्टमार्टम करवाया। शराब की उम्र प्रक्रिया पूरी होने के बाद शराब परीजनों को सौंपा जाएगा। परिवार ने अंजलि की मौत पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि घटना के बाद सामने आई तस्वीरों की देखकर उन्हें मामला सामान्य आसलया जैसा नहीं लग रहा। परीजनों ने मांग की है कि पुलिस पूर् घटनाक्रम की गहराई से जांच करे और यह पता लगाए कि मौत किन परिस्थितियों में हुई।

जांच में अंजलि और दिनेश के बीच ऑनलाइन पैसे के लेन-देन के जानकारी भी सामने आई है। परिवार के पास मौजूद खौनोशांट के अनुसार अलग-अलग तारीखों में अंजलि की और से करण के खाते में 5 हजार, 2

हजार और 1500 रुपये सहित कई बार रकम भेजी गई थी। परिवार का दावा है कि इन ट्रांजेक्शन की कुल रकम करीब 25 से 30 हजार रुपये हो सकती है। हालांकि वे पैसे किस उद्देश्य से भेजे गए थे, पुलिस की जांच कर रही है। दिनेश साहू की जांच कर सकती है। फिलहाल अंजलि की मौत का वास्तविक कारण जाना पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सेवा संकल्प शिविर में आए 45 आवेदन, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित ने शिविर में कराया स्वास्थ्य परीक्षण

सरकार शिविर के बहाने आम लोगों के घरों तक पहुंच रही है

नई दृष्टिविंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा बुधवार को लगाए सेवा संकल्प शिविर में कुल 45 आवेदन आए। यह शिविर वार्ड क्र. 35 बुधवार पंधिम, क्र. 36 डुंडेरा पुर और वार्ड क्र. 37 जोरातराई के लिए था। डुंडेरा मंगल भवन में लगाए गए शिविर का अवलोकन दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्रकार ने किया। उन्होंने शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्रकार का शुभारंभ और ब्याड प्रेशर बिलकुल ठीक था। शिविर में मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें स्वास्थ्य भी बताया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्रकार ने इस अवसर पर शिविर में आए नागरिकों से बातचीत भी की। उन्होंने संबंधित न केहा कि सरकार शिविर के बहाने आम लोगों

के घरों तक पहुंच रही है। समस्याओं को जानने के बाद उनका निराकरण भी कर रही है। विधायक का कहना था कि यह प्रयास केवल आम लोगों को सुविधा प्रदान कर रहा है। शिविर में महापौर परिषद के सदस्य गौतम धनकार, पांचद शिवलेंद्र चंद्रकार, मण्डल अध्यक्ष राजू जंधेल व

अनुपम साहू समेत विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

आवेदनों पर एक नजर

कुल प्राप्त आवेदन - 45

मौके पर निराकरण - 30

शेष - 15



जमीन से जुड़े एक मामले पर हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं हो रहा प्रकरण का निराकरण

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कवर्धा के समक्ष रिमाइंडर आवेदन प्रस्तुत कर हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए लंबित आवेदन का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई

नई दृष्टिविंदु / कवर्धा

कवर्धा शहर में जमीन से जुड़े एक मामले को लेकर नगर पालिका और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। मामले में आवेदक को और से अधिकता सत्यम शिवम सुंदरम शुक्ला ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद कवर्धा के समक्ष रिमाइंडर आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के WPC No. 992/2026 के 24 मार्च 2026 के आदेश का हवाला दिया गया है।

दस्तावेज के प्रताधिक विवादित भूमि कवर्धा शहर के राजमहल चौक से समानांतर मार्ग के पास स्थित बताई गई है। आवेदन में आवेदक ने अपनी स्वामित्वाधीन भूमि का उल्लेख करते हुए शीट क्रमांक 10-बी, भूखंड क्रमांक 23/6 में 43.19



वर्गमीटर और भूखंड क्रमांक 24 में 5 वर्गमीटर, कुल 48.19 वर्गमीटर भूमि होने की बात कही है। आवेदन के अनुसार संबंधित भूमि के संबंध में

का नाम सामान्य खसरा में दर्ज किया जाने की बात कही गई है।

कार्रवाई से पहले आपति और आवेदन का दावा

आवेदक का आरोप है कि जमीन से संबंधित कार्रवाई की आशंका को लेकर 13 जनवरी 2026 को आवेदन प्रस्तुत कर प्रभावित लोगों को उचित व्यवस्था, मुआजजा और भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रक्रिया अक्षरणा जाने की मांग की गई थी। आवेदन में यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या निगमन ध्वस्त करने की कार्रवाई से पहले प्रभावित पक्ष को सूचना और सुनवाई का अवसर दिया जाए। दस्तावेज में दावा किया गया है कि आवेदन के निराकरण के बिना ही कार्रवाई शुरू करने की

कोशिश की गई और मुख्य द्वार के पास करीब 7.5 फीट तक लाल निशान लगाए जाने का उल्लेख है। इसी की लेकर आवेदक ने प्रशासन के समक्ष आपति दर्ज कराई।

हाईकोर्ट पहुंचा मामला

इसके बाद मामला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंचा। दस्तावेज के मुताबिक मामले में कलेक्टर, राज्य विभाग, पीडब्ल्यूडी सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पक्षकार बनाया गया था। 124 मार्च 2026 को हाईकोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवेदक द्वारा 13 जनवरी 2026 को प्रस्तुत आवेदन का निराकरण आदेश प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर करने का निर्देश दिए जाने का उल्लेख दस्तावेज में है। आवेदक का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश

के बावजूद उसके 13 जनवरी 2026 के आवेदन का अभी तक निराकरण नहीं किया गया है। इसी आधार पर 29 सितंबर 2026 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कवर्धा के समक्ष रिमाइंडर आवेदन प्रस्तुत कर हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए लंबित आवेदन का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई है।

अब प्रशासन के फैसले पर नजर

मामले में एक और आवेदक अपनी भूमि और राज्य रिमाइंडर में दर्ज अधिकार का हवाला दे रहा है, वहीं दूसरी ओर जमीन से संबंधित कार्रवाई और सीमांकन को लेकर विवाद सामने आया है। अब मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा हाईकोर्ट के निर्देश के तहत आवेदक के आवेदन पर क्या निर्णय लिया जाता है, यह देखने वाली बात होगी।

खास खबर

नगर पंचायत मारो में आगामी नगरीय निकाय निर्वाचन 2026 के लिए वार्ड बार आरक्षण की प्रक्रिया पूर्ण

नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुशी प्रतिष्ठा मरमाई, अपर कलेक्टर प्रकाश भास्करा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रीतम चौहान, एसडीएम साबा, पिंकी मनहर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बेमेतरा नरेश वर्मा, नगर पंचायत मारो मनीष ठाकुर, सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वार्ड बार आरक्षण की अंतिम सूची जारी कर दी गई है, इस प्रक्रिया के बाद चुनावी सरगमियां बढ़ गई हैं।

नगर पंचायत मारो के कुल 15 वार्डों के लिए आरक्षण निर्धारित कर दिया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति, अनारक्षित और महिला वर्ग के लिए वाई आरक्षित किए गए हैं, 6 वार्ड अनुसूचित जाति एक वाई अनुसूचित जनजाति और 8 वार्ड अनारक्षित वर्गों के लिए आरक्षित किया गया है जिसमें चार वार्ड महिला वर्ग के लिए आरक्षित हैं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं करने का विहित प्रावधान, छत्तीसगढ़ शासन नगरिय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय गुरुपुर के द्वारा समस्त कलेक्टर छत्तीसगढ़ को पत्र जारी कर नगर पंचायत, नगर पालिका के आरक्षण के लिए जाति निर्देश अनुसार बिंदु 4 के उप नियम 2 के तहत अनुसूचित जाति वर्गों अथवा अनुसूचित जनजातियों के लिए अनियम एक के अर्धिन 50% से कम स्थान आरक्षित किए गए हो वहां यथास्थान निकटतम रूप से कुल वार्डों की संख्या के 50% की अनुसूचित सीमा के अधीन रहते हुए शेष स्थान अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु उनके जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे तथा ऐसे वार्डों द्वारा आवंटित जाति वर्गों परंतु उप नियम 1 के अधीन अनुसूचित जाति वर्गों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए कुल आरक्षण 50% थी, इससे अधिक हो तो अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं किया जाएगा।

आवेदक आरक्षण की स्थिति इस प्रकार है, वार्ड क्रमांक 1 बाबा भीमराव खंडेकर वार्ड अनुसूचित जाति, महिला, वार्ड क्रमांक 2 बचत सतनाम वार्ड अनुसूचित जाति महिला, वार्ड क्रमांक 3 सुभाष चंद्र बोस वार्ड अनुसूचित जनजाति, वार्ड क्रमांक 4 छत्रपति शिवाजी वार्ड अनुसूचित जाति महिला, वार्ड क्रमांक 5 महाराज प्रताप वार्ड अनारक्षित महिला, वार्ड क्रमांक 6 रानी सागर वार्ड अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 7 बजरंग वार्ड अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 8 परशुराम वार्ड अनारक्षित महिला, वार्ड क्रमांक 9 पंडित दीनदयाल वार्ड अनारक्षित, वार्ड क्रमांक 10 गुरु भासीदास वार्ड अनुसूचित जाति, वार्ड क्रमांक 11 संत अमर दास वार्ड अनुसूचित जाति, वार्ड क्रमांक 12 गुरु नानक वार्ड अनारक्षित वार्ड, क्रमांक 13 जय वृंदादेव वार्ड अनारक्षित वार्ड, वार्ड क्रमांक 14 मिनीमाता वार्ड अनुसूचित जाति, वार्ड क्रमांक 15 मौली माता वार्ड अनुसूचित जाति शामिल हैं।

सेवा सेतु अभियान के तहत जिले में आज से 6 स्थानों पर लगने शिफ्ट

खैरागढ़। सेवा संचय अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से शासन की जानकारीदायक योजनाओं का लाभ प्राप्त हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ राज्य संबंधी प्रकरणों के निराकरण और आवश्यक प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। शिविरों के सफल संचालन के लिए प्रशासन द्वारा नौबल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। 1 अक्टूबर को खैरागढ़ के दिलीप सिंह महल भवन में आयोजित शिविर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राज्य खैरागढ़ टेक्निकल प्रसाद साह को नौबल अधिकारी बनाया गया है। 13 अक्टूबर को राईसे के नर्मदा चौक तथा 4 अक्टूबर को साल्लेवारा के सेजेश परिसर में एक नए वाले शिविर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राज्य छुईखंदन गंडई अविनाश ठाकुर नौबल अधिकारी रहेंगे। 15 अक्टूबर को खैरागढ़ विकासखंड के हामर सेकेंडरी स्कूल जलवांवा, 6 को छुईखंदन विकासखंड के बाई स्कूल परिसर धुरा नदी तथा 7 अक्टूबर को खैरागढ़ विकासखंड के हामर सेकेंडरी स्कूल मुड़ोपार में शिविर आयोजित किए जाएंगे। जलवांवा और मुड़ोपार में शिविर के लिए टेक्निकल प्रसाद साह तथा धुरा नदी के शिविर के लिए श्री अविनाश ठाकुर नौबल अधिकारी होंगे।

जायजा

छात्राओं से सवाद कर अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था की ली जानकारी, स्वच्छता व आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बोड़ला का किया निरीक्षण

नई दृष्टिविंदु / कवर्धा

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने विकासखंड बोड़ला के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की कक्षाओं में पहुंचकर छात्राओं से अध्ययन-अध्यापन के संबंध में जानकारी ली और उनके साथ सहज संवाद किया।

कलेक्टर ने छात्राओं से उनकी रूचि के विषयों के बारे में चर्चा की तथा प्रश्नों के दौरान अपने वाली कठिनाइयों एवं उनकी आवश्यकताओं के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को पूरे मनोयोग और लगन के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ शिक्षा ग्रहण कर छात्राएं अपने जीवन में बेहतर उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय की अधीक्षा से छात्राओं की वर्तन संस्था एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। अधीक्षा ने



बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 200 छात्राओं का प्रवेश है। कलेक्टर ने छात्राओं के लिए उपलब्ध शैक्षणिक, आवासीय एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

रसोई कक्षा का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने विद्यालय के रसोई कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं के लिए तैयार किए

जाने वाले भोजन एवं रसोई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधीक्षा एवं संबंधित कर्मचारियों को विद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा छात्राओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं व्यवस्थित रूप से उपलब्ध करने के निर्देश दिए।

छात्राओं की प्रतिभा को सराहा

कलेक्टर ने विद्यालय में स्थित कला कुटी कक्षा का भी अवलोकन किया। यहां छात्राओं द्वारा तैयार की गई विभिन्न आकर्षक कलाकृतियों को देखकर उन्होंने छात्राओं की रचनात्मक प्रतिया की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं कीर्तल विकास को बढ़ावा देती हैं। कलेक्टर ने विद्यालय प्रबंधन को छात्राओं को अध्ययन के साथ-साथ उनकी रुचि एवं प्रतिभा के अनुसार रचनात्मक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय में छात्राओं को सुस्थित, स्वच्छ एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

एग्रीस्टैक और डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति में लाएं तेजी-कलेक्टर सलाम

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण के लिए निर्देश, फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण करेंगे राजस्व निरीक्षक

नई दृष्टिविंदु / मोहला

कलेक्टर श्रीमती तुनुजा सलाम ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राज्य अधीक्षकों की बैठक लेकर विभागिय कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर मिशेलेश डोंडे, अपर कलेक्टर हेमंत भुआर्य, एसडीएम मोहला अमित नाथ योगी, एसडीएम मानपुर डीआर ध्रुव सहित सभी तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टैक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे की तहसीलवार प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सर्वे एवं पंजीयन कार्यों में आ रही समस्याओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों से संबंधित डिजिटल रिमाइंडर को अद्यतन एवं जुटेरहित रखने के लिए अधिकारी मैदान स्तर पर कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करें। इस दौरान उन्होंने पीएम किसान पंजीयन, एग्रीस्टैक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे, स्वामीय योजना, नक्शा बटॉकन, अभिलेख शुद्धता रिपोर्ट, कृषि खास एवं फार्मर रजिस्ट्री सहित राज्य विभाग से जुड़े विभिन्न कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में राज्य विभाग के विभिन्न डिजिटल एवं मैदान कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती तुनुजा सलाम ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं और राज्य सेवाओं का लाभ प्राप्त हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों का करें निराकरण

बैठक में तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने निश्चित किया कि सभी राजस्व प्रकरणों का नियमानुसार समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। निचले स्तर पर कार्यरत राजस्व कर्मचारियों को भी अपने



विकास कार्यों में तेजी लाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

खैरागढ़। जिला पंचायत खैरागढ़-छुईखंदन-गण्डई के सभाकक्ष में जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खडन ताम्रकर ने की। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रान्त सिंह, कृषि समिति सभापति दिनेश वर्मा, संसार एवं समक समिति सभापति ललित चौगड़ा, सहकारिता एवं उद्योग समिति सभापति श्रीमती जमुना कुंवर, स्वास्थ्य, स्वच्छता, लोक स्वास्थ्य यात्रिकी एवं जल संसाधन समिति सभापति श्रीमती अरुण राजू सिंह बनाकर, महिला तथा बाल विकास एवं समाज कल्याण समिति सभापति श्रीमती भुवनेश्वरी जीवन दोगान, वन एवं खनिज समिति सभापति श्रीमती हेमलता मंडावी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल, उप संचालक पंचायत राज विवरी, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यात्रिकी सेवा योगेश आनंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में महत्वा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, 158 वित्त आयोग सहित जिला पंचायत के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति, पूर्ण किए गए कार्यों तथा शेष कार्यों के संबंध में जानकारी ली गई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खडन ताम्रकर ने कहा कि बरसात के कारण प्रभावित हुए निर्माण कार्यों में अब आवश्यकतानुसार पेंजी लाई जाए। विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए उप निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु प्राप्त हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है। बैठक में सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित विकास कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए। अधिकारियों ने विभागवार प्रगति की जानकारी देते हुए आगामी कार्ययोजना से समिति को अवगत कराया।

दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने और लंबित मामलों के निराकरण में सक्रियता बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कार्यों के दौरान आने वाली किसी भी तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या की जानकारी तत्काल उच्च कार्यालय तक दी जाए, ताकि उसका समय पर समाधान किया जा सके। कलेक्टर ने सभी राजस्व निरीक्षकों को नियमित

रूप से फील्ड में जाकर राजस्व कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य विभाग के कार्यों का सीधा संबंध अपने नागरिकों एवं किसानों से है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए।

पुलिस ने बेमेतरा से एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा, रायपुर स्थित होलिंग्स सेंटर भेजा

अवैध अप्रवासियों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान संदिग्ध युवक से की गई पूछताछ

नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ में अवैध अप्रवासियों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बेमेतरा जिले से एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार उसकी पहचान बांग्लादेश के दिनाजपुर निवासी मो. मोकसालु आलम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक योगावर की चलाए गए विशेष अभियान के दौरान संदिग्ध युवक से पूछताछ की गई। जांच में यह जानकारी सामने आई कि वह वर्ष 2007 में भारत आया था।



इसके बाद उसने ओडिशा के संवलपुर में कथित रूप से फर्जी दस्तावेज बनवाए और उन्हीं के

आधार पर अलग-अलग स्थानों पर रह रहा था। पुलिस अब उसके दस्तावेजों की

वास्तविकता, भारत में प्रवेश के तरीके और यहां रहने के दौरान उसकी गतिविधियों की विस्तृत जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसके संबंध में कौन-कौन लोग थे और फर्जी दस्तावेज तैयार करने में किसकी मदद ली गई थी। बेमेतरा में इसकी करीब एक महीने पहले भी एक बांग्लादेशी नागरिक को कथित फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने जिले में बाहरी और स्थिति व्यवस्था के तहत जांच की जांच तेजी से अग्रसर की। पुलिस के अनुसार पकड़े गए मो. मोकसालु आलम के खिलाफ बेमेतरा, कबीरधाम और राजनांदगांव

जिलों के अलग-अलग थानों में कई अपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है। इनमें चोरी, आगम एवट और आवकारी अधिनियम से जुड़े लगभग 13 प्रकरण बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक वह कुछेदिन पहले ही जेल से सजापान पर बाहर आ चुके थे। पुलिस का आरोप है कि वह राज्य के विभिन्न जिलों में कपड़ा और वस्त्र बेचने के नाम पर गांव-गांव घूमता था। इसी दौरान कथित रूप से क्षेत्रों की शांति और अंशम देता था। जांच एजेंसियां अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और यात्रा संबंधी

सौर ऊर्जा से हर घर तक पहुंचा जल, ग्राम बंदरी में सोलर आधारित पेयजल व्यवस्था

नई दृष्टिविंदु / खैरागढ़

सेवा संचय अभियान के अंतर्गत ग्राम बंदरी, ग्राम पंचायत भुरभुरी, विकासखंड छुईखंदन में जल जीवन मिशन के माध्यम से सौर ऊर्जा आधारित पेयजल व्यवस्था ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। सोलर पंप से संचालित इस जल आपूर्ति व्यवस्था के माध्यम से गांव का 41 परिवारों के 185 ग्रामीणों को घर के उपयोग निर्यात पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम बंदरी में सौर ऊर्जा से संचालित पंप द्वारा भूमिगत जल को ऊंची जल टंकी में संग्रहित किया जाता है। इसके बाद पाइपलाइन के माध्यम से घरों तक पानी पहुंचाया जाता है। घर के पास नदी से पानी मिलने के कारण ग्रामीणों को दूरस्थ जलस्रोतों से पानी लाने की आवश्यकता कम हुई है और दैनिक जीवन में सुविधा बनी है। पेयजल सुविधा घर के समीप उपलब्ध होने से महिलाओं-बच्चों की विशेष राहत मिली है। पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम की बचत होने से अब उस समय का उपयोग घर-लू कार्यों, बच्चों की देखभाल, शिक्षा और आजीवन व्यवस्था से जुड़े कार्यों में किया जा सकता है। सौर ऊर्जा आधारित पंप के उपयोग से पेयजल आपूर्ति को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ा गया है। इससे विद्युत पंप निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है और ग्रामीण क्षेत्र में परिवार-अनुकूल जल आपूर्ति व्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। ग्रामीणों द्वारा जल रचनाओं के संरक्षण, पानी के सद्भावपूर्ण और स्वच्छता के प्रति भी जागरूकता दिखाई जा रही है।

आवश्यकता कम हुई है और दैनिक जीवन में सुविधा बनी है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उर्लाई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है।)। संपन्न विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दायें होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100